भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
11.12.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2749 का उत्तर

लोकापुर-रामदुर्ग-सवदत्ती-धारवाड़ रेल लाइन का निर्माण

2749. श्री जगदीश शट्टर:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या कर्नाटक राज्य के सवदत्ती में राष्ट्र प्रसिद्ध श्री रेणुका येल्लम्मा मंदिर में दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं को समर्थ बनाने हेतु लोकापुर-रामदुर्ग-सवदत्ती-धारवाड़ के साथ-साथ नई रेललाइन के निर्माण हेतु सर्वेक्षण करने के लिए कोई उपाय शुरू किए जा रहे हैं; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) और (ख): रेल परियोजनाओं का सर्वेक्षण/स्वीकृति/निष्पादन राज्य-वार नहीं, बल्कि क्षेत्रीय रेल-वार किया जाता है क्योंकि रेल परियोजनाएं राज्य की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं। रेल परियोजनाएं लाभप्रदता, यातायात अनुमान, अंतिम स्थान संपर्कता, अनुपलब्ध कड़ियों और वैकल्पिक मार्गों, संकुलित/संतृप्त लाइनों के विस्तार, राज्य सरकारों, केंद्रीय मंत्रालयों, संसद सदस्यों, अन्य जन प्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई मांगों, रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताओं, सांस्कृतिक और धार्मिक स्थलों तक संपर्कता सहित सामाजिक-आर्थिक महत्व आदि के आधार पर स्वीकृत की जाती हैं, जो चालू परियोजनाओं के थ्रोफॉरवर्ड तथा धन की समग्र उपलब्धता पर निर्भर करता है।

कर्नाटक राज्य में पूर्णत:/अंशतः पड़ने वाली रेल अवसंरचनात्मक परियोजनाएं भारतीय रेल के दक्षिण पश्चिम रेलवे, मध्य रेलवे, दक्षिण रेलवे और दक्षिण मध्य रेलवे जोनों के अंतर्गत आती हैं। रेल परियोजनाओं का लागत, व्यय और परिव्यय सहित क्षेत्रीय रेल-वार विवरण भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया गया है।

बागलकोट-कुडची (142 कि.मी.) नई लाइन परियोजना के लोकापुर और बागलकोट के बीच के रेलखंड की कमीशनिंग होने के बाद लोकापुर पहले ही बागलकोट और गदग के रास्ते धारवाड़ से जुड़ा हुआ है।

रामदुर्गा और सावादत्ती नई लाइन (132 कि.मी.) के रास्ते धारवाड़-लोकापुर के बीच सर्वेक्षण को पूरा कर लिया गया है। इस परियोजना में यातायात का अनुमान कम है।

01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, कर्नाटक राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली 47,016 करोड़ रु. लागत की 3,840 कि.मी. कुल लंबाई की 31 परियोजनाएं (21 नई लाइन और 10 दोहरीकरण) योजना व कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं, जिसमें से 1,302 कि.मी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2024 तक 17,383 करोड़ रु. का व्यय किया गया है। इसका सार निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी.)	कमीशन की गई लंबाई (कि.मी.)	मार्च 2024 तक किया गया व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	21	2556	395	7592
दोहरी लाइन/ मल्टीट्रैकिंग	10	1284	907	9791
कुल	31	3840	1302	17383

कर्नाटक में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली अवसंरचनात्मक परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	835 करोड़ रु. प्रतिवर्ष
2024-25	7,559 करोड़ रुपए (9 गुना से अधिक)

2009-14 और 2014-24 के दौरान, कर्नाटक राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाले नए रेलपथ को कमीशन करने/बिछाने का ब्यौरा नीचे दिया गया है:-

अवधि	कमीशन किया गया कुल रेलपथ	रेलपथ की औसत कमीशनिंग
2009-14	565 कि.मी.	113 कि.मी. प्रतिवर्ष
2014-24	1,633 कि.मी.	163 कि.मी. प्रतिवर्ष

*****